MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

जनसंचार एवं पत्रकारिता

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The work of Roland Barthes represents an important influence and entry point for Baudrillard's post-modernist turn, alongside that of Marshal McLuhan, Louis Althusser and situationists such as Guy Debord. Indeed Barthes' work has been widely recognised as an important influence on the overall growth of postmodernist approaches in the literary, media and cultural studies fields and analyses of digital (multi) media developments. In the 1960s, Barthes challenged the prevailing conventions in literary studies by stressing that the meaning of words and writings (such as classic French literary texts) were inherently unclear to contemporary critics. He stressed that all critical approaches were frustrated in any attempts to make clear the text's and author's original meaning, particularly because they were crucially dependent upon meta-languages (such as Freudianism, Marxism, Structuralism). In essence, Barthes claimed that language is not some transparent medium through which external phenomena or realities may be described or analysed. Instead he stressed that all forms of authorship are solely or primarily a matter of languages and not about engagements with some external phenomena or realities. Barthes argued that this approach could be applied to a great variety of fields in the contemporary world, so that movies, radio, fashion and politics could be discussed or read as texts or types of languages and discourses. He suggested that there is no fundamental reality outside of language and discourse. Thus everything which we encounter or experience as 'reality' only (or primarily) a matter of languages or texts or discourses - that is essentially forms of information -rather than external things (there is no 'out there', as it were) : In some of his 1970s writings Barthes claimed that all of language is inherently 'mythical' and he suggested that there is no real hope of getting outside 'the labyrinth of the imaginary'. Barthes also claimed that the quest to describe or analyse a fundamental reality or 'true' meaning is pointless, because all we are left with are different interpretations (polysemous views of different texts).

www.examrace.com

रोलैन्ड बार्थ का कार्य महत्वपूर्ण प्रभाव को प्रस्तुत करता है तथा मार्शल मैकलुहान, लुईस अल्थुसर और गाँ ब्रिबोर्ड जैसे अवसरवादियों के साथ बौद्धिलियर्ड आधुनिकोत्तर मोड़ का प्रवेश–द्वार समझा जाता है। वस्तुतः बर्थ के कार्य का साहित्य, मीडिया और संस्कृति के अध्ययन के क्षेत्रों में आधुनिकोत्तर पद्धतियों के विकास तथा डिजिटल (बहु) मीडिया के विकास में एक महत्वपूर्ण प्रभाव के रूप में समझा जाता है। 1960 में बार्थ ने साहित्य के अध्ययन में प्रचलित मान्यताओं को इस बात पर बल देते हुए चुनौती दी कि शब्दों के अर्थ और रचनाएँ (जैसे कि फ्राँसीसी साहित्य में शास्त्रीय पाठ) समकालीन आलोचकों को सहज रूप से अस्पष्ट थीं। उसने इस बात पर बल दिया कि सब आलोचना पद्धतियाँ पाठ को स्पष्ट करने में विफल थीं (और लेखक के मूल आशय को, विशेष रूप से मैटा–लैंग्वेज पर निर्भर थे (जैसे प्रत्यक्षवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद) सारांश में, बार्थ का दावा था कि भाषा एक पारदर्शी माध्यम नहीं है, जिसके द्वारा बाह्य घटनाओं का वर्णन या विश्लेषण किया जा सके। इसके बजाय, कर्तव्य के सभी रूप एकमात्र, प्रमुखतः भाषा से संबंधित है न कि किसी बाह्य घटना या यथार्थता से। बार्थ का दावा था कि समकालीन जगत में यह पद्धति विभिन्न क्षेत्रों में लागू की जा सकती थी जिससे फिल्में, रेडियो, फैशन एवं राजनीति द्वारा अभिव्यक्त पाठ की चर्चा की जा सके या विभिन्न प्रकार की भाषाएं या प्रोफाइलें समझी जा सकें। उसने सुझाव दिया कि भाषा और प्रोफाइल के बाहर कोई आधारभूत यथार्थता नहीं है। अतः वे सब जिनका हम सामना करते हैं या अनुभव करते हैं केवल (या प्रमुखतः) भाषा से या पाठ से या प्रोफाइल से संबंधित है – यही वास्तव में सूचना का रूप है – अपेक्षा कि सब यथार्थ है, यहाँ बाहरी कुछ नहीं है, जैसे कि पहले थे)। अपनी 1970 की कुछ रचनाओं में उसने दावा किया कि भाषा स्वभावतः 'मिथिकल' होती है और उसने सुझाव दिया कि इन कल्पनाओं की भूलभुलैया से बाहर निकलने की कोई सम्भावना नहीं है। बार्थ ने यह भी दावा किया कि आधारभूत यथार्थता या सत्यार्थ का ज्ञान विश्लेषण करने की जो खोज है, बेकार है, क्योंकि इसकी व्याख्या अलग–अलग की जाती है (एक ही पाठ के संबंध में विभिन्न विचार हो सकते हैं)।

1. Why the work of Roland Barthes is important ? Find out reasons.

रोलैन्ड बार्थ का कार्य क्यों महत्वपूर्ण है? कारण बताइए।

www.examrace.com

2. Is language not a transparent medium ? Explain.

क्या भाषा पारदर्शी माध्यम नहीं है? वर्णन कीजिए।

3. Can we apply the approach of Barthes to movies, radio, fashion and politics ?

क्या बार्थ की पद्धति को फिल्मों, रेडियो, फैशन और राजनीति पर लागू कर सकते हैं।

www.examrace.com

4. Texts and discourses are essentially forms of information - Amplify.

पाठ एवं प्रोक्ति अनिवार्यतः सूचना के रूप हैं, विस्तार से बताइए।

5. Language is mythical - Comment.

भाषा 'मिथिकल' होती है – टिप्पणी कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. How do you apply the rule of golden mean to mass communication ?
जनसंचार में स्वर्णिम औसत के नियम को किस प्रकार लागू करेंगे ?

7. Describe the ethereal quality of digital communication along with three other dimensions.
तीन अन्य आयामों के साथ डिजिटल संप्रेषण के ईथरीय गुणों का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

8. Explain whether mass media are governed by technological determinism, especially in the Indian context.

क्या जनसंचार तकनीकी निर्धारकों द्वारा निर्धारित होता है। भारतीय संदर्भ में समझाइए।

9. Do media persons suffer from pluralistic ignorance and narcissistic attitude ? Give examples.

क्या संचार माध्यमों से जुड़े लोग द्वैतवादी अज्ञानता तथा आत्ममोह प्रवृत्ति के होते हैं ? उदाहरण दीजिए।

www.examrace.com

10. Television is the display window of traditional media - Elucidate.

'टेलीविज़न परंपरागत माध्यम का डिस्प्ले विंडो (प्रदर्शन खिड़की) है' प्रकाश डालिए।

11. Enumerate the advantages and disadvantages of trust ownership of mass media.

जनसंचार की ट्रस्ट मालिकी के हानि-लाभ का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

12. What factors make the beat reporter's work discernible ?

बीट रिपोर्टर के कार्य को विवेचना करने वाले तत्वों को बताइए।

13. Critically examine the recent events involving the Registrar of Newspapers for India.

हाल में हुई घटना, जिसमें भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार शामिल थे, की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

14. Magazine circulation is on decline worldwide - identify the factors responsible.

विश्व में पत्रिकाओं के चलन में कमी आ रही है – इसके उत्तरदायी कारणों को बताइए।

15. Compare the bipolar aspects of modernisation with eastern value systems.

आधुनिकता के द्विध्रुवी पक्षों की पूर्वीय मूल्य व्यवस्था से तुलना कीजिए।

www.examrace.com

16. Compare the nominal level of measurement with that of ratio level as applied in media research.

मीडिया शोधों में लागू माप के सांकेतिक स्तर की आनुपातिक स्तर से तुलना कीजिए।

17. Distinguish between a premise and a synopsis in TV pre-production.

टी.वी. कार्यक्रम का पूर्व निर्माण के प्रिमाइस (मूल तथ्य) रूपरेखा में अन्तर समझाएँ।

www.examrace.com

18. Radio news writing is to be phonetic based - explain with suitable examples.

रेडियो के समाचारों की लिपि ध्वनात्मक आधारित होनी चाहिए। सही उदाहरणों द्वारा समझाइए।

19. Dissect the basics of colour composition in visual communication.

दृश्यात्मक संप्रेषण में रंगों के मिश्रण के आधार के बारे में बताइए।

www.examrace.com

20. Outline the various stages of media planning in relation to a product advertisement.

उत्पाद विज्ञापन के संदर्भ में मीडिया प्लैनिंग के विभिन्न स्तरों की रूपरेखा बताइए।

www.examrace.com

SECTION - III
खण्ड — III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Media contents reflect the socio-cultural background of the media persons - substantiate with suitable examples taking into account the recent trends.

मीडिया की विषय-वस्तु मीडिया के लोगों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को प्रदर्शित करती है। आधुनिक प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए सही उदाहरणों द्वारा समझाइए।

22. By commoditising women, the medium of television has made a mockery of gender equity. Comment.

महिलाओं को वस्तु रूप बनाकर, टेलिविज़न ने लैंगिक समानता का उपहास किया है। इस संबंध में अपने विचार बताइए।

23. By selling prurient dreams, advertisers have converted the desires and preferences into a permanent market. Assess the social consequences of the strategy.

बहुजनों के स्वप्नों को बेचकर विज्ञापन करने वालों ने इच्छाओं और प्राथमिकताओं को स्थायी बाज़ार में परिवर्तित कर दिया है। इस नीति के सामाजिक परिणामों का मूल्यांकन कीजिए।

24. Modern journalist is more a public relations practitioner than a society's watchdog. Elaborate your reaction.

आधुनिक पत्रकार समाज पर नज़र रखने वाला की अपेक्षा जन सम्पर्क व्यवसायी (पब्लिक रिलेशन प्रैक्टिशनर) अधिक हैं। इस सम्बन्ध में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए।

25. The concept of gaze is only academic, nothing to do with the practice of Visual Communication - Comment.

गेज की संकल्पना शास्त्रीय मात्र है। इसका दृश्य संप्रेषण से कोई संबंध नहीं है। टिप्पणी कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - IV
खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हज़ार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Escapism, false reality and simulation for transient gratification have made media fare mechanical productions of routine stock market propositions. Is it vulgar ideation in place of beneficial idealism? Present your assessment in the context of booming financial journalism.

पलायनवाद, मिथ्या सत्य और क्षणिक संतुष्टि के लिए अनुकरण ने शेयर बाज़ार की प्रवृत्तियों को दैनिकों का यांत्रिक उत्पाद मात्र बना दिया है। क्या यह उपकारी आदर्शवादिता के स्थान पर अशिष्ट उद्भावना है? वित्तीय पत्रकारिता की गरमाहट के संदर्भ में मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Some experts argue that there exists a hidden link between the intellectual property rights and the invasion of foreign satellite TV channels in India. How do you envisage the politico-economic impact of the issues involved? Explain.

कुछ विशेषज्ञों का तर्क है कि भारत में बुद्धिजीवी सम्पत्ति अधिकारों और विदेशी सैटेलाइट टी.वी. चैनलों की भरमार में अप्रत्यक्ष कड़ी है। इस मुद्दे के राजनैतिक-आर्थिक पहलुओं पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

OR / अथवा

Pseudo competition, mega mergers and mutual investments have eliminated the traditional management ethos of mass media. The fall out is slowly visible on Indian media. Evaluate the trends in the backdrop of global developments.

छद्म प्रतियोगिता, मेगा मर्जर और पारस्परिक निवेश ने जनसंचार के परम्परागत प्रबंधन प्रकृति को समाप्त कर दिया। भारतीय मीडिया पर इसके परिणाम धीमे-धीमे दिखाई दे रहे हैं। भूमंडलीयकरण के संदर्भ में इन प्रवृत्तियों का मूल्यांकन कीजिए।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

www.examrace.com